



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Vinodbhai Dhirubhai Vekariya

Donated His: Heart, Lungs, Kidney, Liver & Corneas

Date:- 10/03/2023

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

लेउवा पटेल समृद्धाय के ब्रेन डेड विनोदभाई का नम आंखों से परिवार में किया अंग दान

हृदय, फेफड़े, लीवर, किडनी और आंखें दान कर नवजीवन बख्शा व मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को नई दिशा दिखाई

डोनेट लाइफ द्वारा सूरत से 44वें दिल और फेफड़े के दान की 14वीं घटना



अनुल्य निहुस्ताना
संचालनार्थी

सूरत: लेउवा पटेल समृद्धाय के ब्रेन डेड विनोदभाई भैकरिया (57) के परिवार ने डोनेट लाइफ के प्रयोग से सात लोगों को विनोदभाई का हृदय, फेफड़े, लीवर, किडनी और आंखें दान दी और नवजीवन बख्शाया। मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को नई दिशा दिखाई। सूरत से मुख्य की 297 किमी की दूरी 110 मिनट में तब कर महाराष्ट्र के कोल्हापुर निवासी 59 वर्षीय व्यक्ति में मुख्य के जश्नात्मक अप्रसारण किया गया और 58 वर्षीय एक व्यक्ति में फेफड़े का प्रयोग कर्तिकारी, मुख्य के पूर्णे निवासी, सर एच.एन. रिलायंस फॉटोडेशन अस्पताल में किया गया। किया अस्पताल में लीवर ट्रांसप्लांट किया गया। एक किडनी बाइबल रिहिपिटेशन, अहमदाबाद में और दूसरी किडनी IKDRC में ट्रांसप्लांट की गई थी। सूरत शहर की पुलिस, राज्य के विभिन्न शहर और गांव की पुलिस का सहयोग दिल, फेफड़े, लीवर और किडनी का मुख्य, कियण अस्पताल और अहमदाबाद एक समय पर पहुंचने में मिला। ट्रेकस्टेशन और हायवेद निटी के नाम से समृद्ध सूरत शहर अब देश में अंगन डोमन सिटी के नाम से महादृष्ट हो रहा है।

नीलेश माइडलेवला से संपर्क कर विनोदभाई के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी

उद्गम गांग- सुखनगु, गालुका थारी, जी. अमरेली निवासी और तांत्रिक में अपने परिवार के साथ गी-106, अमरिनगर 1, छगदापाटा रोड, अमरेली, सूरत में रह रहे विनोदभाई ने 8 मार्च की रात की सिर दाँद की शिकायत की। गी-मार्च का सुखन शहर पांच बजे जब तक बहुत हो गये तो परिवार उसे न्यूरोफिजिशियन द्वारा रीमेंड अस्पताल में गया। गोरांग निवासी के उपचार में भर्ती कराया गया। डायनामाइटिक सीटी ब्रेन से ब्रेन हेमोज और सीरेक्ट नम में ब्लड फ्लूम का पता चला। न्यूरोफिजिशियन डॉ. गोरांग विवाला, इंटीमिडिक्टर डॉ. रोमन गायनिक, डॉ. आकाश बाबां, डॉ. कृष्ण पटेल ने विनोदभाई को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। गहनाकामी डॉ. प्रेषा गोपन और न्यूरोफिजिशियन डॉ. नीलेश निवासी ने ट्रेनिंगेन पर डोनेट लाइफ के संस्करण की नीलेश माइडलेवला में संपर्क किया और उन्होंने विनोदभाई के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और विनोदभाई की पाली गीताबेन, चेटी अंकित और डिरेन, बहनोंई राजेशभाई, निलेशभाई, कलुण्याई और बेटारिया परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान के महाव और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया।

अंग विफलता के रोगियों को एक नया जीवन दें

विनोदभाई की पाली गीताबेन ने कहा कि मेरे पांती ब्रेन डेड हो चुके हैं और उनके बचपन की कोई संभावना नहीं है, इसलिए उनके सभी आने दान कर दें तो दान किया जा सकते हैं और अंग विफलता के रोगियों को एक नया जीवन दें। विनोदभाई के परिवार में उनकी पाली गीताबेन, 31 वर्ष के ब्रेन अंकित और 29 वर्ष के हिंनें हैं, जो अंगदान साही का कारोबार चलाते हैं। परिवार में अंगदान के लिए समर्पित मिलने के बाद मोहु द्वारा संपर्क किया गया। मोहु द्वारा हाटे मुख्य की जालांक क्लिंमटाल, लीस सर एच.एन. रिलायंस फॉटोडेशन अस्पताल, रिलायंस ट्रांसप्लांट, लीवर एच.एन. रिलायंस फॉटोडेशन अस्पताल, रिलायंस अस्पताल, सूरत को लौटाया, एक किडनी बाइबल, अहमदाबाद को और दूसरी अंकिती गीताबेन को दी गई।

इनको मिला अंग, मिला नया जीवन

मालागांठ के कोल्हापुर निवासी एक 59 वर्षीय व्यक्ति का हृदय प्रत्यागोपण सूरत के वीमन अस्पताल में मुख्य के जश्नात्मक अस्पताल में 297 किमी की दूरी तय करते हुए 110 मिनट में किया गया। हेमेट प्राप्त और उनकी टीम और लीस ट्रांसप्लांट मुख्य के सर एच.एन. रिलायंस फॉटोडेशन अस्पताल में मुख्य के कार्डियाली निवासी 56 वर्षीय की गीताबेन, 31 वर्षीय अटावर और उनकी टीम द्वारा किया गया। सूरत के कियण अस्पताल में ज्वाला निवासी 49 वर्षीय गीताबेन में लिवर ट्रांसप्लांट डॉ. गोरांग चौधरी और उनकी टीम ने गवर्नर से किया। अहमदाबाद निवासी 69 वर्षीय गीताबेन में एक गुरुत्व प्रत्यागोपण बाइबल अस्पताल, अहमदाबाद में किया गया और दूसरा गुरुत्व प्रत्यागोपण बाइबल निवासी 32 वर्षीय गीताबेन में IKDRC, अहमदाबाद में किया गया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, तिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान • परिजनों ने लीवर, दिल, किडनी, फेफड़े और आंखें दान कर 7 जिंदगी रोशन कीं ब्रेनडेड विनोदभाई के अंगों से मिला नया जीवन, दिल-फेफड़े मुंबई में दो लोगों को ट्रांसप्लांट हुए

मिस्टी रिपोर्टर | सूरत

लेडवा पटेल समाज के 57 वर्षीय ब्रेनडेड विनोदभाई के परिजनों ने उनका हृदय, फेफड़ा, लीवर, किडनी और आंखों का दान कर जरूरतपंद भात लोगों को नया जीवन और रोशनी दी। उनका हृदय सूरत से 297 किमी दूर मुंबई में काल्यापुर निवासी 59 वर्षीय व्यक्ति में और फेफड़े कांटीकरी निवासी 58 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किए गए। वहाँ नेप्रदान लेक दूष्टि चक्र चैक ने स्वीकार किया। प्राप्त जानकारी



के अनुसार अमरोली के छापराभाटा ब्रेन हेमरेज का यत्न चलता। बाद में रोड स्थित आदर्शनगर सोसाइटी डॉक्टरों ने ब्रेनडेड घोषित कर दिया। निवासी विनोदभाई वेकारिया को 8 मार्च की रात सिर में दर्द हुआ और 9 मार्च की सुबह 5.30 बजे बेहोश हो गए। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ स्टीटी स्कैन में

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर भेजे गए सभी संग

एक किडनी अहमदाबाद की महिला में और दूसरी किडनी बड़ोदरा की महिला में अहमदाबाद में ट्रांसप्लांट की गई। किरण अस्पताल में व्याया की 49 वर्षीय महिला में लीवर का ट्रांसप्लांट किया गया। हृदय, फेफड़े और किडनी को मुंबई और अहमदाबाद पहुंचाने के लिए राज्य के विविध शहर-ग्रामीण पुलिस के सहयोग से ग्रीन कॉरिडोर कर पहुंचाए गए।

सूरत से 44वें हृदय और 14वीं बाट फेफड़ों का दान, लार्ट 110 मिनट में मुंबई पहुंचाकर किया ट्रांसप्लांट अमरोली के ब्रेन डेड व्यक्ति के अंगों से सात को मिली नई जिंदगी



पत्रिका
अंगदान

प्रकाश नगर नेटवर्क
pariksha.com

सूरत, अंगदान के क्षेत्र में देह में सूरत लगातार जारी रह रहा है। अनियार की रुक्ति से 44वें हृदय और 14वीं बाट फेफड़ों का दान किया गया। अमरोली हांडी नियासी लेज और लाल लगात के ब्रेनडेड व्यक्ति के अंगदान से सात लोगों को नई जिंदगी मिली।

हृदय सिर्जन 110 मिनट में 297 किमी दूर मुंबई से जारात जरूरतपंद व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया।



सिर्जन और अमरोली नियासी नियोद लाइफ एकारिया (57) की 8 मार्च की तिथि विलासी विलासी के बाद फेफड़ों की विद्या। जानकारी मिलने पर डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया।



सिर्जन और अमरोली नियासी नियोद लाइफ एकारिया (57) की 8 मार्च की तिथि विलासी विलासी के बाद फेफड़ों की विद्या। जानकारी मिलने पर डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

बनाया गया था
ग्रीन कॉरिडोर

इदर और फेफड़े संघर्ष का नई पहुंच द्वारा लिए जाने वाले अस्पताल से लेकर एपरेंट के सर्वे तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इसी विनोदी अस्पताल ने जाने के लिए अस्पताल से नेतृत्व द्वारा उन ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। इनके लिए रुक्ति पुलिस और राज्य पुलिस ने व्यवस्था दी है।

एक शिल्पी अहमदाबाद की 69 वर्षीय दृढ़ा और दूसरी किडनी बड़ोदरा की 29 वर्षीय दृढ़ी ने ट्रांसप्लांट की 58 वर्षीय व्यक्ति में दो दान लगाया। इस व्यक्ति की 49 वर्षीय महिला में,

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

मुंबई में 297 किमी की दूरी महज 110 मिनट में तय कर एक धड़कता हुआ दिल ट्रांसप्लांट किया गया

ब्रेनडे के अंगदान से जल्दतमंद 7 लोगों को दिया नया जीवन

सूरत से अंगदान की चमत्कार, केफ़ड़े, लिवर, किड्नी और आंखें दान की गई

लोकतंत्र संवाददाता

सूरत। केवल कपड़ा और हीरा ही नहीं, सूरत अब अंगदान शहर के रूप में जाना जाने लगा है। अब तक सूरत से 44 दिल दान किए जा चुके हैं। फेफड़े दान करने की 14वीं घटना सामने आई है। सूरत के लेठवा पटेल समुदाय के 57 वर्षीय ब्रेनडे विनोदभाई धीरभाई वेकारिया के परिवार ने अंगदान कराकर सात जल्दतमंद लोगों को हृदय, फेफड़ा, लिवर, किड्नी और आंखें दान कर मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई है। सूरत से मुंबई की 297 किलोमीटर की दूरी 110 मिनट में तय कर महाराष्ट्र के कोल्हापुर निवासी 59 वर्षीय व्यक्ति का मुंबई के जशलोक अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण किया गया और मुंबई के निवासी 58 वर्षीय व्यक्ति का कांदिवली, सर एच. एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में फेफड़ा प्रत्यारोपण किया गया।

डॉनेट लाईफ के संस्थापक निलेशभाई मांडलेवाला ने जानकारी देते हुए कहा कि मूल अमरेती जिले के रहने वाले और वर्तमान में सूरत के अमरोली में अपने परिवार के साथ रह रहे विनोदभाई को 8 मार्च की रात में सिरदर्द की लिकायत हुई। 9 मार्च को सुबह 5.30 बजे जब वह बेहोश हो गए तो परिजन उन्हें डॉ. बीनस अस्पताल ले गए। न्यूरोफिजिशियन गौरांग विवाला के उपचार में भर्ती कराया गया। डायग्नोस्टिक सीटी स्कैन से ब्रेन



हेमरेज और सेरेब्रल नस में ब्लड बैलन का पता चला। न्यूरोफिजिशियन डॉ. गौरांग विवाला, इंटीशिविस्ट डॉ. रैनक वाग्निक, डॉ. आकाश बराड, डॉ. कृष्ण पटेल ने विनोदभाई को ब्रेन डे क्षमित कर दिया।

विनोदभाई की पत्नी गीतावेन, बेटे अकित और हिरेन, बहनोंई राजेशभाई, हितेशभाई, कालूभाई और वेकारिया परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान और इसकी पूरी प्रक्रिया के महाव के बारे में बताया। विनोदभाई की पत्नी गीतावेन ने कहा, मेरे पति ब्रेन डे हो चुके हैं और उनके बचने की कोई उम्मीद नहीं है। अंगीन फैलियर के मरीजों के ज्यादा से ज्यादा अंग दान करके उन्हें जीवन दें। विनोदभाई के परिवार में उनकी पत्नी गीतावेन, 31 साल के बेटे अकित और 29 साल के हिरेन हैं। जो अनिलाइन साझी बचने का विजनेस कर रहे हैं।

परिवार से अंगदान के लिए सहमति मिलने के बाद सोटौं से संपर्क किया गया। सोटौं द्वारा हार्ट जशलोक हास्पिटल, मुंबई, लांग सर एच. एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल, किरण अस्पताल, सूरत को लीवर, एक किड्नी जाइडम, अहमदाबाद को और दूसरी आईकॉडीआरसी को आवंटन की गई। हृदय का दान जशलोक अस्पताल, मुंबई में डॉ. डेवेंद्र भालेराव और उनकी टीम ने, फेफड़ा दान सर एच. एन. रिलायंस फाउंडेशन हास्पिटल डॉ. मेनानदेव और उनकी टीम ने, लिवर और किड्नी डोनेट किरण अस्पताल के डॉ. आदित्य नानावटी और उनकी टीम ने स्वीकार किया। लोक दृष्टि आई बैंक द्वारा नेत्रदान डॉ. प्रफुल शिरोवा ने स्वीकार किया।

मुंबई में दिल और फेफड़े की समय पर डिलीवरी के लिए बीनस हास्पिटल से सूरत एवरपोर्ट तक के रूट को ग्रीन कॉरिडोर बनाने में सूरत सिटी पुलिस का सहयोग लिया गया। आईकॉडीआरसी अहमदाबाद में किड्नी भेजने के लिए बीनस अस्पताल से अहमदाबाद आईकॉडीआरसी अस्पताल तक के मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर बनाने के लिए गन्य के विभिन्न शहर और ग्रामीण पुलिस का सहयोग लिया गया। सूरत की डॉनेट लाईफ संस्था द्वारा अंगदान की जनजागरूकता का काम किया है। डॉनेट लाईफ के सहयोग से देश के अलग-अलग शहरों में दिल, फेफड़े, हाथ, लिवर और किड्नी जैसे महत्वपूर्ण अंगों को समय पर पहुंचाने के लिए सूरत शहर की पुलिस द्वारा अब तक 90 ग्रीन कॉरिडोर बनाए जा चुके हैं।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किड्नी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

જને નવજીવન | વિનસ હોસ્પિટલથી એરપોર્ટ, અમદાવાદ સુધી ગ્રીન કોરીડોર બનાવાયો અંગાદાન માટે બબ્યો 90મી વખત ગ્રીન કોરિડોર : 110 મિનિટમાં ઇબક્ટનું હૃદય મુંબઈ અને કિડની 3 કલાકમાં અમદાવાદ પહોંચ્યી

લેખારીનેટ | તુલના



અમરોલીમાં રહેતા 57 વર્ષિય આપેદ બેઠિનેડે જીવરે થતા તેમના અંગોનું દાન કરવાનું નક્કી કરાયું હતું. આપેદનું કદય મુખાઈમાં રહેતા 58 વર્ષિય વ્યક્તિને ટ્રાન્સલ્યાન્ડ અને કેકસા પણ મુખાઈમાં જ ટ્રાન્સલ્યાન્ડ કરવા હતું. ડેનેટ લાર્ટે સંસ્થાન માધ્યમથી અન્યાર સુધીમાં 44 હૃદયનું અને 14 કેકસાના ટ્રાન્સપલાન્ટ કરવા છે, મૃતકના લિવર, કિડની અને ચયુનોનું પણ દાન કરી છુટ્ટ 7 વ્યક્તિને નવજીવન બસી માનવતાની મહેક કેવાવીને સમજાને નવી દિશા ચિંતા છે.

મૂળ ગ્રામ- સુખપુર, તા. પારી છુ. અમરોલીના રહેવાસી અને લાલમાં અમરોલીમાં રહેતા વિનોદ પ્રીયભાઈ

વેકરીયા (૩.૧.૫૭)ને બેદિવસ પહેલા વિનસ હોસ્પિટલમાં એડમીનિસ્ટ્રેશન કરાયા છે. એક દિવસની સારવાર બાદ પ્રીયભાઈને બેઠિનેડે

સંયાલક્રોંબે અને ડેનેટલાઈફ સંસ્થા દ્વારા મુતક વિનોદભાઈના પરિવારજીને સમજાવીને અંગાદાન સમજ હતા. એક દિવસની સારવાર બાદ આપી હતી. પરિવારની સંમતિ બાદ વિનોદભાઈનું હૃદય, કેકસા, કિડની, લિવર અને ચયુનોનું ટ્રાન્સલ્યાન્ડ કરાયું

કૃતું. વિનોદભાઈના પટી ગીતાબેને કશું કે, ઓર્જિનિયલગ્રાન્ટાના ડાઈઝેને નવજીવન આપો. પરિવારની સંમતિ બાદ વિનોદભાઈના સુરતથી મુખાઈનું 297 કિગ્રાનું અંતર 110 મિનિટમાં કાપી કરવાનું ટ્રાન્સલ્યાન્ડ કોલ્ડલાપુરના રહેવાસી 59 વર્ષિય વ્યક્તિના મુખાઈની જરાલોક હોસ્પિટલમાં અને કેકસાનું ટ્રાન્સલ્યાન્ડ કાંઈવલી, મુખાઈના રહેવાસી 58 વર્ષિય વ્યક્તિના ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયું હતું. લીવરને ડિર્સ હોસ્પિટલમાં જ્યારે 3 કલાકમાં ક્રિકની અમદાવાદની આપડસાના ટ્રાન્સપલાન્ટ થઈ હતી. હૃદય, કેકસા, લાય, લિવર અને કિડની જેવા મહત્વના અંગો ઝૂદા- ઝૂદા શહેરોમાં સમયસર ફંકોચાણા હતા.

ભાર્કર વિશેષ | ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી એકંદરે સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું સુરતના શખસનું હૃદય મુંબઈવાસીમાં ટ્રાન્સપલાન્ટ

નવેસ્ત વિનસ મુન્દુ



મુખ્ય - સુરત વિનોદ 297 ડિલોમાટરનું અંતર 110 મિનિટમાં કાપીને સુરતના રાખસનું હૃદય મુખાઈના રહેવાસી 58 વર્ષિય વ્યક્તિમાં અને એક કેકસાનું મહારાષ્ટ્રના કોલ્ડલાપુરના રહેવાસી 59 વર્ષિય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપલાન્ટ સમજાને નવી દિશા અતાવી હતી. કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતમાં રહેતા કેંદ્રા પટેલ પ્રમુખ નિલેશ માંગવેલાબાને સમજાના બેઠિનેડે વિનોદભાઈ દિવ ભારુકરને જીવાયું હતું કે, પીરુલાઈ વેકરીયા ૦.૧.૫૭ના હૃદયનું દાન મુખાઈની જરાલોક પરિવારે ડેનેટ લાઈફના માધ્યમથી હોસ્પિટલના હો. ઉપેન ભાવેચન વિનોદભાઈના હૃદય, કેકસા, લિવર, કિડની અને ચયુનોનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન કર્યા જાતી હતી. અની માનવતાની મહેક કેવાવીની રીતે, વિવર અને કિડનીનું

દાન ડિર્સ હોસ્પિટલના હો. કરવામાં આવ્યું હૈ. વિનોદભાઈ અને તેમની રીતે ચ્યુકાયું. જ્યારે ચયુનોનું દાન લોકનેડે ચયુ બેની હો. માનુલ રિસેપ્ટાને ચ્યુકાયું હતું. સુરતના વિનસ હોસ્પિટલની મુખાઈનું 297 ડિલોમાટરનું અનાર 110 મિનિટમાં આપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું 59 વર્ષિય વ્યક્તિમાં મુખાઈની ચ્યુકાયું. કાપીને તેમો બેબાન થઈ જતા શ્રાન્સપલાન્ટ કોલ્ડલાપુરના રહેવાસી 59 વર્ષિય વ્યક્તિમાં મુખાઈની જરાલોક હોસ્પિટલમાં હો. હોમેકીગીયાપન હો. હોમેગ પીલાગાની સારવાર પથારે અને અંતર 3.૧ અને કિડની ૦.૧.૨૯ છે, કેનો, મોનલાઈન સાડી સેન કરવાના બેઠિન કેરેન્ટ અને મગજાની નવસારી લોલીનો વીચાનાની વિનસ પથું હતું. વિનોદભાઈને મુખું પણી પણ ૭ કલાકેને નવજીવન અસી માનવતાની મહેક કેવાવી હતી.

" જીતે જી રહ્યાન, બ્રેનડેડ કે વાદ કિડની, લિવર, હૃદયાન... "



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરત લેઉવા સમાજના બ્રેઇનડેડ વિનોદ વેકરિયાના અંગોનું
પૌરવારજનો એ દાન કરતાં સાત વ્યક્તિને નવજીવન મળ્ય



શહેરમાંથી છુટમાં હદ્યનું દાન: મહારાષ્ટ્રના પદ વ્યક્તિને
મુખ્યમાંની હોસ્પિટલમાં હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું; કેકમાં
કાઢીવલીના પદ વર્ષીય વ્યક્તિમાટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા

સૂરતમાંથી વધુ એક અંગદાનની ઘટના

લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઇનટેડ આધીડનાં હદય,
કેફસાં, લિવર, કિડની અને આંખોનું દાન કરાયું

એક વ્યક્તિનાં અંગોના
દાનથી સાત વ્યક્તિને
નવજીવન મળ્યું

सुरेतः शनिवारे सुरतमाली
अंगदाननी पूपु एक घटना थी।
जोना लोडिंग पटेल समाजना ब्रेट्टनके
विनोदधारी धीरुभारी केक्रिया
(उ.व.57)ना परिवारे कहाय, फक्सा,
लिपदर, डिना अने व्यक्तुओंनु दान
करी सात व्यक्तिने नववश्वन जहाँ
मानवतामन मलेक कैलावी समाजने
नयी दिशा भागतावी रही।

ऐसे तरह सार्वजनिक प्रयत्न जिसका उद्दार्थ

અનુભ લાંબાના પ્રમુખ નિદ્રાશીભાઈ
માટેલેવાલાએ જીવાયું હતું કે, મૂળ
અભરેલીના રહેવાસી અને ધાક્ષમાં
ઓપરાભાગ રોડ પર આદર્શનગર-૧

भाते रहेता विनोदभाई शैक्षिकार्थ वेकरिया (०.७.५७)ने रभी भारतीया रोज़ राजे भारतमां हुआवो यता इ मार्याना रोज़ सवारे पक्ष:०३ कलाके तेबो भेब्हान याई जल्ल परिवारजनोंने तेमने विनस लोस्टिप्लटमां भजेऱ्या. यता, त्यां तपासमा विनोदभाईंने शेण्ठी खेडेऱ्य अने मगजानी नसमां लोडीने कृग्यां लोवानुं निधान यधुं अस्तु. त्यार आद तेमने भ्रष्टांडे शालेर करवाचा लाता.

गोंत्रे लाईकी टीमे विनोदभाईंना परिवारे नंगावारांना माझा

द्रान्सखान्ट कोलाहापुर भारताच्याना रहेवासी पक्ष वर्षीय वित्तिभा भूमिक्की जशाळोक लोस्टिप्लटमां अने फेक्सानु द्रान्सखान्ट काढीवली, भूमिक्की रहेवासी पक्ष वर्षीय वित्तिभा सर अंग अनेन रिक्षावन्स काउनेशन लोस्टिप्लटमां करवाचा आव्यासु लातु.

लिवानु द्रान्सखान्ट किरण लोस्टिप्लटमां करवाचा आव्यासु कृत. एक डिनीनु द्रान्सखान्ट अमदावाई नायपदिस लोस्टिप्लट अने बीज वित्तिभा नंगावारा २५.१२.५८

પારચારન અંગરાણનું મહત્વનું
સમજાતા પદ્ધતિએ અંગરાણ માટે
સમાચારી આપી હતી.
ત્યાર બાદ સુરતથી મુખ્યાંજુ રદ્દ
કર્યોમાટ્ટનું અંગર ૧૧૦ મિનિટમાં
કાપી વિનોડભાઈના કંદણન
કિંનાનું દ્રાશુલાંડ IKDRCLની
કર્યાંસ આવ્યું કંતુ તેણેદાખાઈના
પરિવારાં તેમણે પણ ગીતાના,
પૂર્ણો ઓડિટ (કુ.૩.૩) અને છિરેન
(કુ.૩.૨૦) છે. જેણો ઓનલાઈન
આરી વેબસાઇટ અવસ્થાપ કરે છે.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઇનડેડ વિનોદભાઈના હદ્ય સહિતના અંગોના દાનની સાત વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે.

લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઇનડેડ પ્રોફેના અંગદાનથી ૭ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત, શનિવાર
સુરતમાં અમરોલીના જાપરાભાઈ ખાતે રહેતા લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઇનડેડ પ્રોફેના હદ્ય, ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચશુઓનું દાન કરી સાત વ્યક્તિનોને નવજીવન આપી માનવતાની મહેક ફેફસાની સમાજને નવી દિશા ભાતાવી છે. તેમનું હદ્ય જીન ક્રોરીપ્રેર બનાવી મુખ્ય પણોચારીને પદ વર્ષીય પ્રોફેના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરી ધબકું કરાયું હતું.

મૂળ અમરેલી જિલ્લાના ધારી તાલુકાના સુખપુરગમના વતની અને છાલમાં અમરોલીયા જાપરાભાઈ રોડ આદર્શનગરમા રહેતા પછી વર્ષીય વિનોદભાઈ પીરુભાઈ વેકરીયા જતતા. ત્યારીને રાતે માથામાં દુઃખાવો હતો અને તાદ્દમીને વહેલી સવારે ધરમાં બેબાન થઈ જતા બાનગી હોસ્પિટલમાં બઈ

જવાયા હતા. જ્યાં સીટી સેનમાં બ્રેઇન ડેમરેજ અને મગજની નસમાં લોઝીનો કુઝો હોવાનું નિરાન થયું હતું. જોકે, તારાબાદ તેમને બ્રેઇનડેડ જીતેર કરાયા હતા. જીથી પેનેટ લાઈફની ટીમે પરિવારને અંગદાન અંગે વાત કરતા તેમો સંમત વથા હતા.

વિનોદભાઈનું હદ્ય મુંબઈની પ્રાઇવેટ હોસ્પિટલને, ફેફસા હોસ્પિટલને, લિવર સુરતની બાનગી હોસ્પિટલને, એક કિડની અમદાવાદી હોસ્પિટલના બીજી કિડની આઈ આઈ કી આર સીને શાળવવામાં આવી હતી. જ્યારે ચશુઓનું દાન લોકડ્રાઇ બાબુ બેંક સ્વીકૃત્યું હતું જીન ક્રોરીપ્રેર કરીને સુરતની બાનગી હોસ્પિટલથી મુંબઈનું રેલ્ટ ક્લિનિકરટર્સનું અંતર ૧૧૦ મિનીટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મધ્યરાધ્રાના કોલાપૂરમા રહેતા પદ વર્ષીય વ્યક્તિને મુંબઈની હોસ્પિટલમાં

શેકટરોએ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું હતું. તેમણે ફેફસા મુંબઈના કંઈવલીમા રહેતા ૫૮ વર્ષીય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા છે. જ્યારે વિષરનું તાપી જિલ્લાના વ્યારાની ૪૮ વર્ષીય મહિલામાં સુરતની હોસ્પિટલમાં અને એક કિડની અમદાવાદ રહેતા ૬૮ વર્ષીય મહિલાને અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં અને બીજી કિડની વડોદરાની ૩૨ વર્ષીય મહિલાને અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ છે. વિનોદભાઈના પરિવારમાં તેમની પત્ની ગીતાબેન, પુત્રો અંકિત (૭.૧.૩૧) અને હિરેન (૭.૧.૨૭) છે જેઓ, બોનલાઈન સાચી વેચાણનો વ્યવસાય કરે છે. સુરતથી એને લાઈફસ્ટાર હદ્ય દાન કરાવવાની આ ૪૪મી અને ફેફસાનું દાન કરાવવાની ૧૪મી ઘટના છે.

મૂળ અમરેલીના વિનોદભાઈ વેકરીયાનું હદ્ય, ફેફસા, લિવર, કિડની, ચશુઓનું દાન: હદ્ય મહારાષ્ટ્રના પ્રોફેના ધબકું કરાયું

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે વાટ કિડની, લિવર, હદ્યાના..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

આજની તારીખે પણ દાતારી કાઠીયાવાડના દરેક માનવીમાં છલકે છે

**ધારીના વિનોદભાઇ વેકરિયાના અંગોનું દાન
કરી પરિવારે સાત લોકોને નવજીવન આપ્યું**

લેઓવા પટેલ સમાજના ડેરીનકેડ વિનોદભાઈ ધીરુભાઈ વેકરીયા ઉ.વ ૫૭ ના પરિવારે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી વિનોદભાઈના હૃદય, ફેફસા, લિપર, કિડની અને ચદ્રાઓનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન બદ્ધી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી



સાચા, (બાબેદા માટે)

बोहो अमे कहु के नायक
कुरुक्षेत्र अमावे दे पाल आ कुरुक्षेत्रम्
जू जा अग्रवाने भूता पद्मावती मन वाप
अमे कुरुक्षेत्रामा भूती अभूते नाम
वसेना धारे पाल त वामा बाहु धारे
दामाका अन्नामाली अने भूती शुक्ल उठे
आयो ओ अंकु इक्षु सामे अमावे दे
अमरेतीला यादीना शुक्लपूर अग्रवा
पालिहार परिवार दे परिवारा भोजी
खोन्नांडे ज्ञान यामातो साले यमेनोरु
दान की रात भानवीओने नववक्षण
आप्सु चढ़.

भूत वाप्ति-सुन्धानपूर्व, ता.
यादी अ. अमरदेवीना रोहयासी अन्ने
वालामो भी-१०५, आदृशंगर १,
उपरकलाहारोड, अमरदेवी, सुरतपाटे
पो ताना पांडिवराड्यांना साप्त रोहया
किंसोदमध्यां द मायाना रोहया कर्वे
मायानां दुःखायानी किंविष्ट कुटी वारी,
द मध्यानारोड जवऱ्ये ३०-३५ तेव्ही
अमान वर्षी झाला पर्वतवारांना तेव्ही

विनास लोक्यात्मन् न्यूकोरीट्रिपायन हो। विनास लोक्यात्मन् न्यूकोरीट्रिपायन हो। यो रोटे न थीकाकानी सावार ठेठा इधानम क्यारे, निराम माते CT देन्हे क्यावा तो ठेठा ठेठे रोक अने भागाळी नसामालीकीनो कुडाचा तोकावृत्ति निरामच्या ठरू, न्यूकोरीट्रिपायन हो। यो रोटे या पीवाराम, ठंड-ठंडीवीसीटे, तो, रोनक पालीसी, तो, अपाराहन बाट र, अपाराहन पाठेके विनासभावाने अर्हतात झाले क्या, ठंड-ठंडीवीसीटे हो, तोका गोपनी अने -न्यूकोरीट्रिपायन हो। यो रोटे पीवाराम प्रेत-लाईका सावार निवेश मांडळाकानो ठेठीको नीक संपर्क करी

विनो द्वारा इन तीनों के बीच अपनी जागरूकता और उनकी विशेषज्ञता का विकास हुआ। विनो द्वारा इन तीनों के बीच अपनी जागरूकता और उनकी विशेषज्ञता का विकास हुआ।

ताप्त्यके भास परि लैट्टनको
प्रेषणवाली क्षेत्र सम्बन्धित
सेट वापाप अंगेमेन्ट इन वर्ष
लाप्त्यक्षमताएं लुप्त नहीं करवीने
निकलता होता है जो न
आए। बिन्दावलीना
तेजनी पापी शिवामेन, प्राचा
उत्तर और उत्तरेन, व रक्षा
सम्बन्धित सभी विद्याराओं
द्वारा।
परिवारजनों न रक्षी
पी संभवी माना हुआ
विद्याराओं को स्विकृत ने, उठाने
में नाहट अने स
डिमेन्ट इन डिस
आधिक वास्तविक
व्यवहार, उपर्युक्त
कानूनों को प्रकृ
त तुलना
मुक्तिकृत रक्षा
प्रिनीटों का प्राप्ति
अवस्था का यह दृष्टि
मानवरक्षा नहीं
प्रतिक्रिया नहीं
प्राप्ति।

એન, રિકાર્ડાનું કારીનેશન
ને, પિરાય સુરતાની વિરલ
એ, એક કિંમતી અમદાવાદની
અને બીજી ડિડીની
એ કાળજીએ માં
એ દાન મુલ્લાની ખાલી જો
એ દ, ઉપેક્ષ અભ્યાસના
અને
અનુદૂનાન સાર અથે, એન,
કરીન નાં તોંકિલાનું મે

નેને રિસાવ-ના
નામાં કાર્ટોયકી,
વૈપીપાલજિનમાં
નેમેનીયકરા
નાનું દુનાલાલ-એ
બાળપી મહિલાનાં
નેને ને. નેરાં
મ જાડા કરવામાં
નાનું દુનાલાલ-એ

અંગે હેઠાના જૂદા જૂદા સાથેંઓમાં
સાધ્યપસદ પણ્યોયા માટે જુદા શારેં
ખેડીલે બાચ અન્યાન્ય સુધી છુટી
કોર્ટીને રે ભાનાવાયા અન્યાન્ય તે
અન્યાન્ય... અન્યાન્ય... તે ને કંઈ
લાઈકની વાય માનતીની મેળવા માટે
નેને ની લીધ ઉપર ડિકલ કરે
<https://www.donatelife.org.in/>

સુરતથી મુંલઈનું ૨૭૦ કિલોમીટરનું અંતર ૧૧૦ મિનીટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રોન્સલાઇન કોહલાપુર મહારાષ્ટ્રના રહેવાસી પણ વર્ષીય વ્યક્તિમાં મુંલઈની જશાલોક હોસ્પિટલમાં ગાને ફેફસાનું ટ્રોન્સલાઇન કાંદીવલી, મુંલઈના રહેવાસી પણ વર્ષીય વ્યક્તિમાં સર ઓચ. એન. રિલાયન્સ ફાઉન્ડેશન હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું

"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



સુરતમાં બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાતાં વિનોદમાઈ અંગદાન કરી પાંચ લોકોને નવજીવન આપતા ગયા

ପ୍ରମାଣ ଉପରେକୁ ଅମ୍ବୁ ନିର୍ମିତ
ମହାକାଶ ଲେ ପାଞ୍ଚାଳ ଦୂର କେ ମୁହଁ ଅନେ
ଅଗନନ୍ତ ନିର୍ମାଣ ପ୍ରକାଶକୁ ବସନ୍ତ ପାଠୀ
କୁ ଅମରଜିତ୍ ପାଠୀଙ୍କୁ ଅନେ ମହାକାଶ ଲେ
ପାଞ୍ଚାଳ, ଆଗନନ୍ତ କୁ ଅଗନନ୍ତଙ୍କୁ ଦେଖ,
ଅମରଜିତ୍ କୁ ଜୁଗନ ଆମେ ଯୋଗାନ୍ତଙ୍କୁ
ପରିବର୍ତ୍ତନଙ୍କୁ କାହା କଥା ନିର୍ମାଣକୁ
ଦେଖିବା କେବଳ ଏକ ମହାକାଶ ଦ୍ୱାରାକାରି

किंतु यह नहीं है वर्तमान से जल्दी
पर्याप्त लाभ के बाहर रहने का
विवरण नहीं है तो ऐसा विवरण
नहीं किया जाएगा। अब इसकी विवाही
वापर की विवरण नहीं है तो ऐसा
विवरण नहीं किया जाएगा। जिसका पारे के
दूसरे विवरण की ओर लेकर विवाही
वापर की विवरण नहीं किया जाएगा। जिसका पारे के
दूसरे विवरण की ओर लेकर विवाही
वापर की विवरण नहीं किया जाएगा। जिसका पारे के
दूसरे विवरण की ओर लेकर विवाही
वापर की विवरण नहीं किया जाएगा। जिसका पारे के
दूसरे विवरण की ओर लेकर विवाही
वापर की विवरण नहीं किया जाएगा।

ପାଇଁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ
କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ

संभवी भाषा SOTTO-में संक्षेप इतना या
पाता है। SOTTO-में इस कहा अमर्ती
एवं वाक्यों के संक्षिप्ताने, जैसा कि यह अन्
ना दिल्लिया मानवी संक्षिप्ताने,
जिस बुलाई भिन्न वाक्यानामों, ऐसा
यह अन्यान्याना वाक्यान् अन् वैज्ञ
गिक्का IKDRG-का वाक्यानाम यादी
है।

ମାନ୍ୟର ପାଇଁଲାଗି ଅଣ ତମନୀ କିମ୍
କମିଷ୍ଟୀ କାହା କଥାମୁଣ୍ଡ କଣ କାହାରେ
କୁ ଦେଖା ପା କୁଳ ଦେଖାଇଲେ କମିଷ୍ଟୀ
ଏହି କଥାମୁଣ୍ଡ ଏହି କଥାମୁଣ୍ଡ ଏହି

କୁଳାଳ ପାଇଁ ମୁଣ୍ଡ ଫେରିଲାଗୁ ଏହା ଦେଖିଯୁଏ
ବ୍ୟାପାର ଘୋଷନେ ଥିଲା।

प्रायः अन्यान् विद्यार्थी एवं अन्ये देशान् द्वारा
प्राप्त विद्यार्थी एवं एक देशान् द्वारा
मृत्, उन्मृत्, अभ्यासान् एवं इति।
स्वयम् विद्यार्थी एवं एक देशान् द्वारा
प्राप्त विद्यार्थी एवं एक देशान् द्वारा

मुख भरे प्रियंका तुलसीलालोंगी बेन्दू
पैदङ्ग वाप दूर १०८८ अंचो अने
तुलसीलाल तेजवालामां आवाजुं ते विषा
पर इन्हीं, १०८८ विष, द परिवार,
द शहर, दृष्टि क्षेत्र, त शहर अने उत्तर
तुलसीलालां तुल १०८८ अविलोक्येन
तुलसीलाल अने नवी दीपि भजावासु अप्पामां
दीपि.

વિનોદભાઈ વેકરીયાના અંગદાનથી સાત વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

સુરત, ડિ. ૧૧

અમરોલીના છાપચામાણ
ખાતે રહેતા લેઉવા પદ્ધે સમાજના
શૈલીનક્ષેત્ર મોહના હૃદય, કેદા,
લિપર, ડિની અને ચલુંબાનું દાન
કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન
બલી માનવતાની મહકે કેલાવી
સમાજને નવી દિશા આપી છે.

મુણ અમરોલી કિલ્લાના પારી
તાંક કાના સુધીપરુણમના વતની
અને દાખાના અમરોલીમા
છાપરાબાઠા રોડ આર્ડ્ઝનગરમા
રહેતા પ૭ વર્ષથી વિનોદભાઈ
મારુશાઈ વેકરણા જત તાં તારીખે
રાત્ર માથામાં હાંખાયે હતો જેથી

ગત તા.દમીને વલેલી સવારે તે ઘેરે
બેભાન થઈ જતા પરિવારજનોને
સારવાર માટે આપણી હોલિનટલ્યમાં
થઈ જાય છતા. તેમનું જીવી કેને
કરાવતા જોઈન હેમરેજ અને
મગજની નસ્કમાં લોડીનો કુર્ગાંઓ
દોયાનું નિદાન થયું હતું. ત્યાં
પ્રેક્ટરની તીમે તેમને ખ્રીએન્ડ અદેર
કર્યા છતા. બાદમાં ગ્રેનેટ લાર્ફની
તીમે હોલિનટલ્ય પહોંચ્યો
વિનોદભાઈના પરિવારના સભ્યોને
અંગરદાનનું મંહત્વ સમજાયું
હતું. હુદ્દદ્ય મંથાઈની પ્રાઇવેટ
હોલિનટલ્યને, કંકસાં હોલિનટલ્યને,
લિવર સુરતની આનગી હોસ્પિટલ્યને,
એક ડાની અમદાવાદની

હોલિનટલમાં બીજા કિડની આઈ
આઈ કે હી આર શીને કાળવયામાં
આવી હતી. જ્યારે ચુંબોનું દાન
લોકદિન ચુંબ બેકે સ્વીકૃતી હતું.
અરેની ખાનગી હોલિનટલમાં
મુખીનું રેફિલ્બોમાટરનું અંતર
૧૧૦ મિનિટમાં કાપીને દાનમાં
મેળવયામાં આવેલા વૃદ્ધયનું
દ્રાન્યાખાનાં મલારાણના
કોઢાપુરમાં રહેતા પણ વર્ષીય
વ્યક્તિમાં મુખીની હોલિનટલમાં
અને તેમની ટીમ દારા તેમજ
કેચાનું મુખીની હોલિનટલમાં
મુખીના કાઢીવલીમાં રહેતા પણ
વર્ષીય વ્યક્તિમાં દ્રાન્યાખાનાં
કરવામાં આવે છે. જ્યારે લિવરનં

વારાની રહેતા છુટ વર્ષથી
મહિલામાં સુરતની લોહિપટલમાં અને
તેમની એક કિંનાનું અમદાવાદની
રહેતા છુટ વર્ષથી મહિલામાં
અમદાવાદની લોહિપટલમાં અને
બીજી કિંનાનું વડેહદાની રહેતા તરફ
વર્ષથી મહિલામાં અમદાવાદની
લોહિપટલ દ્વારાખાનાં કરવામાં
આવ્યું છે. સુરતથી પ્રેત લાઈલ જારી
કર્દાં દાન કરાવવાની આ છુટ અને
કંદસાના દાન કરાવવાની ૧૪મી
પટના છે. વિનોદભાઈના પરિવર્તમાં
તેમની પત્રી ગીતાબેન, પત્રો અંગેત
(૩.૭. ૩૧) અને હિરેન (૩.૭. ૨૮)
છે જેઓ, અનુભાઈન સાડી
વેચાળનો વ્યવસાય કરે છે.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૪૪મું હથ્ય અને ૧૪મી વખત કેફસાનું દાન
લેઉવા પટેલ સમાજના આધેડના
અંગદાનથી ઉ વ્યક્તિને નવજીવન

१ संकलन

બેઠા પટેલ સમાજના બેઠિનકે આપેના અંગરણથી સતત વાતિનથોના અંપદ્ધરાય જીવનમાં નવી રોણી આવી છે, બેઠિનકે આપેના પરિવારે સ્વહનના અંગોનું દાન કરવાને નિર્ણય લઈ સમાજને એક ઉત્તમ દાખલો પડ્યો હાયો છે.



नस्तम् लोकीनो हुग्यो लोकानु निदान यद्यु
हनुं तबीयी सादवारे पाणी पक्ष तेमनी
तप्पितमां तुवारो नाही आवता तबीये
टीमे तेमने पोर्हिनेऽप्पोति कृप्या इता जेनी
आले ग्रेवत लाईकनी टीमने कराई इती.

મૂળ અમરદેલાના પારી નાલુકાના
સુધપુર ગમના વતની અને હાજ અમરદેલી,
છાપણાભાડ રિયત આદશનગર-૧ માં
પરિવાર સાથે રહેતા વિનોદાખ્યાં પોસાઈ
વેકરિયા (ઉ.૨. પ.૭)ને જત તા. ૮ માર્યાદા
એંજ રાતે માધ્યમાં હું-આતાની કરીપાદ કરી
હતી. ત્યારેલાહ દ્રુતી માર્યાદી મળસકે સાચા
પાંચેક વાયાના અરદાસમં તેઓ બેખાન
થઈ ગતાય હતા. તેને પગલે પરિવારના
સાધ્યોએ તેમને ખાનગી હોલ્ડિંગલાં
ખસેડ્યા હતા. જ્યાં તાફીભી ટીમે સૌઠીસુંદે
કરાવતા બેઠીન દેમદેજ અને મજજુની

ફેનેટ બાઈકની રીમી હોસ્પિટલ પદોંચી
વિનોડમાર્યાના પણી ગીતાને સહિતના
પરિવારના સભ્યોને અંગરણનું મદાય
અને તેની સમયે પક્કિય સમજાવી હતી.
પરિવારની સહમતી આદ વિનોડમાર્યાના
કથા, કેંદ્રા, કિંડા, લીપર અને અને
યથખોની દાન સ્ટીકરવામાં આવ્યે હતું.

અમરોલીનાં બ્રેઇનડેડ વેપારીનાં અંગોનાં
દાનથી સાત લોકોને નવજીવન મળ્યું

खेत ना ११
खोरा अमरोदीक्षा से रोता लेहिए
पटेव समाजाना भेंगो विनोदभाटी
वेकुलीया परिवार ग्रोनेट लाईकीना
मायाशी विनोदभाटी न होय, केसा,
लीवर, डिंडी अने बहुतों दान की
सात व्यक्तिओंने नवकारण असी
मायाशी माहो लाली समाजने ननी
दिमायाकी थीं।

નમેદાની વિશ્વાસાં અનેકા પણી
તાજુકાં અનેકા તુલ્યપૂર્ણ જાગ્રતા
વળની અને વાસ્તવીની તુલ્ય સહેતના
અનેકાંથી ચિનની જાગ્રતામાટ્ટે હોડ
મર જાગ્રતનાની ૧૮માં રહેતા હતી
અનેકાની સ્પર્ધી કેવાળ હરની
પછી વચ્ચેની વિનાનાંની તુલ્યપૂર્ણ
વંકિયાને એ જાગ્રતા દેખી રહેતી જાગ્રતાની
કુદ્દાયાની કરીયાદ કરી રહી છે. એ
બાબુના રાત સાથે એ ૨૦ કલાકે રોન્ઝ
બેનાની કંઈ જાન પરિવર્તનનોએ તેમની
સિવાની વિશ્વાસાંની નૃત્યકીયી પણ
માં નિર્ણય પીણાની રીતના હોંઠો



સુરતથી મુંબાઈનું રેલ ડિલોમીટરનું અંતર ૧૧૦
મિનીટામાં કારીને આપેડમાં હૃદયનું ટ્રૉન્સપ્લાન્ટ કરાયું;
કેકસા, લિપર, કિડ્ની અને ચાલાળોનું દાન કરાયું

धारणा द्वारा लक्षा, निधन मात्रे सिरी देख
करवाया गई है। यह प्रयत्न अब अब भवित्वाती
नमामि जीवों के उत्तम लोकों निधन
पर्युक्त विद्या का नियोगीकरण है।
जीवों की पौष्टिकता, उच्च-स्तरीयता
से बढ़ायी गयी है, जो अवधारणा आदि, ग्रे.
क्षिण इत्येके विद्यालयोंमें शिक्षा
प्राप्त कर रखा गया है। यह एक नियमितीय
शृणुति की विद्या है। इसका असर
भव्यता, अनेक विद्यालयोंमें शिक्षा
प्राप्त कर रखा गया है।

नालाचारी अने तेमनी नीमे खीपतु, जापारे वजूदेनु इन योगदानि वजू भेजा थे। प्रकृत विद्योपालं स्वीकृतु गतु, सुरानी विनस लोसिटेक्सी मुख्यर्थु १६७ क्लिप्पिटेक्सु अनेक ११० विनियोग आयीने इनाम नेवयामां अवेक्षा क्लिप्पिटेक्सान्ट प्रोटेक्टर, भास्टरकून रहेवाती पट वर्षी विक्रिमा मुख्यर्थी फ्रांसाको लोसिटेक्सो नेपाल क्लिप्पिटेक्सु ट्रान्सफार्म बुक्सर्था रहेवाती पट वर्षीय विक्रिमा इनामां आयुष्य थे। जापारे विक्रिटेक्सु ट्रान्सफार्म व्यापारी रहेवाती हर वर्षीय विक्रिमाको बुक्सर्था दिवसु लोसिटेक्सो अवेक्षामा आयुष्य थे। एक क्लिप्पिटेक्सु ट्रान्सफार्म अवेक्षामानी रहेवाती १८ वर्षीय महिलायां अवेक्षामानी जापारे लोसिटेक्सो अने वीक्सा डिक्टीनी ट्रान्सफार्म व्यक्तिगतामा रहेवाती उर वर्षीय महिलायां अवेक्षामानी लोसिटेक्सो अवेक्षामा आयुष्य थे।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતથી ધ્બકૃતું હદ્ય ૨૮૭ કિલોમીટરનું અંતર ૧૧૦ મિનીટમાં કાપી મુંબઈ પહોંચાડ્યું

**સુરત થી ડોનેટ લાઈફ
દ્વારા જ્રમાં હુદ્ય અને
ફેફસાના દાનની જ્રમી
ધટના।**

સુરત

મુનિ ગ્રામ- સુખપુર, તા. ધારી જી, અમરેલીના રહેવાસી અને ધાર્થમાં બી-૧૦૯, આદર્શનગર ૧, છાપરાભાડા રોડ, અમરેલી, સુરત ખાતે પોતાના પરિવારજનો સાથે રહેતા વિનોદભાઈને ૮ માર્ચના રોજ રાતે માયામાં દુઃખવાની ફરિયાદ કરી હતી. ૮ માર્ચના રોજ સવારે ૫:૩૦ કલાકે તેઓ બેભાન થઈ જતા પરિવારજનોએ તેમને વિનસ હોસ્પિટમાં ન્યૂરોકીડીશયન ડૉ. ગૌરંગ ધીવાળાની સારવાર હેઠળ દાખલ કર્યા. નિદાન માટે CT સ્કેન કરાવતા બ્રેઇન હેમરેજ અને મગજની નસમાં લોહીનો કુંગો



હોવાનું નિદાન થયું હતું.

ન્યૂરોકીડીશયન ડૉ. ગૌરંગ ધીવાળા, હિન્ટેન્સીવીસ્ટ ડૉ. રોનક પાટીક, ડૉ. આકાશ બાર્દ, ડૉ. કિના પેટ્લે વિનોદભાઈને બ્રેઇનડેડ જોડેર કર્યા.

હિન્ટેન્સીવીસ્ટ ડૉ. પ્રેષા ગોયલ અને ન્યૂરોકીડીશયન ડૉ. ગૌરંગ ધીવાળાએ પેનેટ લાઈફના સ્વાપક નિલેશ માંડલેવાલાનો ટેલીઝોનીક

સંપર્ક કરી વિનોદભાઈના બ્રેઇનડેડ અંગેની જાણકારી આપી.

પેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી વિનોદભાઈના પણી ગીતાબેન, પુત્રો અંકિત અને હિરેન, સાણા રાજેશભાઈ, ડિતેશભાઈ, કાળુભાઈ અને વેકરીયા પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી.

વિનોદભાઈના પણી ગીતાબેનને

જ્ઞાયું કે માચા પતી બ્રેઇનડેડ છે અને તેમને બચવાની કોઈ શક્યતા નથી ત્યારે તેમના જેટલા પણ અંગોનું દાન થઈ શક્યાં હોય તે બધા જ અંગોનું દાન કરાવીને ઓર્ગન નિષ્ઠાતાના દર્દીઓને નવજીવન આપો. વિનોદભાઈના પરિવારમાં તેમની પત્ની ગીતાબેન, પુત્રો અંકિત ડૉ. વ ૩૧ અને હિરેન ડૉ. વ ૨૮ છે જેઓ, ઓનલાઈન સાથી વેચાળનો વ્યવસાય કરે છે. પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતી મળતા SOTTOનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો. SOTTO દ્વારા હદ્ય મુંબઈની જશલોક હોસ્પિટલને, કેક્સાં સર એચ. એન. રિલાયન્સ ફાઉન્ડેશન હોસ્પિટલને, લિવર સુરતની ડિર્શ હોસ્પિટલને, એક ડિડની અમદાવાદની જાપડસ અને બીજી ડિડની IKDRCને કણવામાં આવી.

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેનડેડ કે બાટ કિડની, લિવર, હદ્યાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

● DONATE LIFE ●

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 10TH MARCH, 2023



452
KIDNEY



193
LIVER



44
HEART



28
LUNGS



08
PANCREAS



352
CORNEA



04
HANDS

**TOTAL 1081 ORGANS & TISSUES DONATED,
which has GIVEN NEW LIFE & VISION TO 993 PERSONS
ACROSS COUNTRY & Globe.**

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयान..."